

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा की मुहिम

दैनिक भास्कर

बच्चों को संस्कारवान बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य : बोधराज सीकरी



भास्कर व्यूरो/मुरुग्राम। मंगलवार रात्रि से श्री गीता आश्रम, ज्योति पार्क जोकि एक सिद्ध पीठ है एवं जिसके परमाण्यक पुज्य चरण परमार्थ मूर्ति डॉ. स्वामी दिव्यानंद जी महाराज भिस्तु हैं उनकी अध्यक्षता में समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वारा लिए गए संकल्प के तहत श्री हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया। श्री हनुमान चालीसा के पाठ से पूर्व परम श्रद्धेय, अर्चनाय, वंदन्य महाराज श्री द्वारा खचाखच भरे आश्रम में 750 से अधिक उपरिस्थित भक्तों को दिव्य एवं सारगर्वित शास्त्रों के माध्यम से अपार भक्ति ज्ञान की चर्चा की गई। इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने समाप्ति और हनुमान चालीसा पाठ की तुलनात्मक तरीके से विवेचना कर जय शब्द का गहरा अर्थ समझाय और बताया कि उनका लक्ष्य युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाना है। प्रभु हनुमान की पूजा अर्चना उपरांत गजेंद्र गोसाई द्वारा महाराज श्री को दंडवत प्रणाम करते हुए उनसे आशीर्वाद लेकर व बोधराज सीकरी से चरण सर्पण कर आशीर्वाद लेकर श्री हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय रूप से पाठ प्रारम्भ किया गया। उनके साथ पैंडित भीम दत्त ज्योतिषाचार्य, पैंडित रमाकांत एवं देवेंद्र ने साथ दिया। गजेंद्र गोसाई द्वारा इस कार्यक्रम में सभी को साथ लेकर बिना विश्राम लिये 10 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ किये गये। स्वामीजी ने प्रसन्न होकर बोधराज सीकरी से आग्रह किया कि बुधवार को भी यह आयोजन जारी रहे और कार्यक्रम नृत्य रूप में डाँड़िया के साथ होगा। स्वामीजी ने बोधराज सीकरी से कहा कि प्रभु आप पर हमेशा कृपा बनाए रखें। इस कार्यक्रम में ओम प्रकाश कथुरिया, सुरेंद्र खुल्लर, उदय भान ग्रोवर, राम लाल ग्रोवर, गजेंद्र गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, केसर दास ग्रोवर, रविंद्र कुमार खुल्लर, किशोरी लाल डुडेजा, ज्योतिषना बजाज, रचना बजाज, हरीश कुमार, आश्रम के प्रधान राजेश गावा, योगचार्य आहूजा, रमेश मुंजाल, सुरेंद्र थेरेजा, राजपाल आहूजा, पं. भीम दत्त ज्योतिषाचार्य, सी. वी. मनचन्दा, रमेश कुमार, राज कुमार जुनेजा की उपरिस्थिति रही। समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वारा श्री हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम के तहत परम पूज्या श्री देवता जी महाराज, मंदिर श्री बालाजी, हनुमान जी महाराज, शिवाजी नार की संचालिका के परम शिष्य मनोज गुप्ता एवं भारत गुप्ता के द्वारा बनाए गए नवग्रह के उपलक्ष्य में गत 6 से 12 मई तक श्री भागवत पुराण एवं हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया गया। जिसके लिए बोधराज सीकरी के द्वारा श्री देवता जी महाराज एवं भागवत पुराण के मरम्म पूज्य पुरुषोत्तम कृष्ण गोस्वामी का सहदेव आभार व्यक्त किया।

ਗੁਰਾਂਦ ਕੇ

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक हुए 172600 पाठ

■ बच्चों को संस्कारयान बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य : बोधेराज सीकरी।

गुडगांव दडे, गुरुग्राम

मंगलवार से श्री गीता ओशो, ज्येष्ठि वारक जोकि एक सिद्ध पीठ है एवं जिसके परमामृतके पूर्व चरण परमार्थ मूर्ति है, स्थानों दिव्यानन्द जी महावाच 'भिंडि' है उनकी अध्यक्षामा में समाजसेवी औद्योगिक सीकरी द्वारा लिए गए संकरण के तहाँ 'श्री हुमान चारोंसाह' के पाठ का ओरोजान किया गया। 'श्री हुमान चारोंसाह' के पाठ के ऊपर चरम अंदेश, अर्थात्, चारोंपर्यं महावाच श्री द्वारा उचायन भी ओशोम में 750 से अधिक उपस्थिति भक्तों का दिव्य एवं सारांशित रूपालीका के प्रभासम से अधेश भक्ति ज्ञान की चर्चा की गई। गीता के दूसरे अध्याय के 11वें श्लोक की व्याख्या की ओर उपलक्ष यह गहन अर्थ साक्षात्। यह कार्यक्रम उक्ता सार्वं 6:30 बजे से तक 8:00 तक चला। उद्योगस्थ स्थानीयों ने हुमान की भक्ति भूमिका और चरित्र का ज्ञान दिलायी और फिर औद्योगिक सीकरी को स्थानीयों ने बोलेका अवसर हुए उनसे अशोकीदार लोकर व बोधप्रवासी सीकरी से चरण स्तरों कर आशीर्वाद लोकर 'श्री हुमान चारोंसाह' के पाठ का संगीतमय एवं से पाठ प्रारम्भ किया गया। उनके साथ चंडी भीमी दूर ज्येष्ठि वारकामाय, पांडी रामाकृष्ण एवं श्री रामेश्वर ने साथ दिया। गर्वसंबंध द्वारा इस कार्यक्रम में सभी को साथ लोकर दिन विश्राम लिये 10 बार 'श्री हुमान चारोंसाह' के पाठ किये गये। उनके उत्तरी स्थानों जी ने बायांहोर स्थानों और गायकी और सुरुकों के साथ हुमान चारोंसाह का दो बार घर लोकर दिया। इसके बाद उनके द्वारा की छात्र दियी। स्थानीयों के कथेतुम्हान मैट्टेसेंट के लिए चह एक गहन अंश है। इस भव्य एवं दिल अंदोरन में हॉटेल स्थानीयों द्विविधान नमाज की उपस्थिति द्वारा एवं उनका आरोग्यमंद प्रात् बुधव श्री द्वारा औद्योगिक सीकरी को माला अर्पण कर व सरकार डाकाती आशीर्वाद देते हुए उन्हें व्यास गढ़ी से



भरतीय सुभाषीन दिला व फहा कि मैं पहली भी इस कार्य के लिए आपको पीछे करके बढ़ावहू दे उक्सा हू व पुरु आपको आर्थिकीय प्रदान करता हू तो कि आपने जो बड़ा घम नाम रख करते हू मैंसिम लगावहू है उसमें निर्माण और अपनी हाँसी रहे और अपनी स्वामीना जिस तरह समाज के लिए प्रदेशों के लिए कार्य कर रहे हो और वे भी हसी प्रकार करते रहे। स्वामीना ने प्रसाद हांकर और धर्मज्ञ सौकरों से अलग किया कि उचित वो कोई भी खंड और समाज आयी रहे और कार्यकारी नृपतु रूप में कार्यालय के साथ होंगा। स्वामीना ने धर्मज्ञ सौकरों से कहा कि प्रथम आप पर

हमें योग्य बनाए रखें। इस प्रकार मैं औपचारिक अधिकारी, सुनेहरे खुल्ले, उदान भौम ग्रोवर, यम लाल ग्रोवर, गोल्डें गोल्डस्टार, धर्मेन्द्र वामान, रमेश जामायर, केसर ग्रोवर, रविंद्र कुमार खुल्ला, किरोरी लाल छुड़ा, अद्वाना वाजाप, श्रीमती र, हरीश कुमार, ओश्रेम राजेश गाण, गोपेन्द्र पर्वती र, मुंजाला, विजय शर्मा, विजयलक्ष्मी, चंद्रीभीम दत्त, सी.टी.मनवदान, गण कुमार दुर्वेजा की थाएँ। इस प्रकार 750 वर्षीय वार पाठ किया गया

शिवायी नगर की संघातिका के परम शिव मनोज युगा एवं भौत युगा के द्वारा बनाए गए बनावट के उत्तराखण्ड में 6-5-2023 से 12-5-2023 तक श्री भगवान् पुरुष की कथा जो पृथ्वी महिला उत्तराखण्ड में गोल्डस्टार, नंदगांव जी के द्वारा भगवान् पुरुष में 7 दिन तक उपस्थित भक्तजनों द्वारा लाभग्रह 5600 वार 'श्री हृष्मन चतुर्वीस' के पाठ का पठन किया गया। जिसके लिए शोधेश जी की कथा देवता जी महावर्ज एवं भगवान् पुरुष के मन्त्र वन्दन पुरुष युगल की गोल्डस्टार का सहजनाश और व्यक्ति किया। अनुष मनोज युगा एवं भौत युगा को उनके नंग गृह प्रतिशोध मर हस्त संदर्भ कार्य के लिए व्याघ्र-व्याहृत वधाये दी।

द्वामान पालासा भाठ को कुल संख्या उपरिलिखित दो कार्यक्रमों के द्वारा एक ही रूप में दर्शाया जाता है। अन्तिम दो कार्यक्रमों के द्वारा दर्शाया जाता है। अन्तिम दो कार्यक्रमों के द्वारा दर्शाया जाता है।



नये भारत का अखबार



गुडगाव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए आपकूल हरियाणा के सभी ज़िलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

बच्चों को संस्कारवान बनाना हनुमान पाठ मुहिम का मुख्य उद्देश्य : बोधराज सीकरी

बूरो/गुडगाव मेल

गुडगाव 17 मई। श्री गीता आश्रम, ज्योति पार्क जोकि एक सिद्ध पीठ है एवं जिसके परमाध्यक्ष पूज्य चरण परमार्थ मूर्ति ठा॒. स्वामी दिल्ल्यानंद जी महाराज भित्ति है उनकी अध्यात्मा में समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वारा लिए गए संकल्प के तहत श्री हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया। श्री हनुमान चालीसा के पाठ से पूर्व परम ऋद्धेय, अर्वनीय, वंदनीय महाराज जी द्वारा खानाखब भरे आश्रम में 750 से अधिक उपस्थित भक्तों को दिल्ल्य एवं सारगंधित शास्त्रों के माध्यम से सारगंधित शास्त्रों के माध्यम से अपार भवित ज्ञान की चर्चा की गई। गीता के दूसरे अध्याय के 11वें स्तोक की व्याख्या की और उपासना का गहन अर्थ समझाया।



यह कार्यक्रम उनका साथ 6:30 बजे से शाम 8:00 तक चला। तदोपरांत स्वामीजी ने हनुमान जी की भव्य भक्ति और शक्ति का ज्ञान दिया और फिर बोधराज सीकरी को स्वामीजी ने बोलने का अवसर प्रदान किया। बोधराज सीकरी ने रामायण और हनुमान चालीसा पाठ की तुलनात्मक तरीके से विवेचना

कर जय शब्द का गहरा अर्थ समझाया और ज्ञान कि उनका लक्ष्य युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाना है। प्रभु हनुमान की पूजा अर्चना उपरांत गवेंद्र गोसाई द्वारा महाराज श्री को टंडवत प्रणाम करते हुए उनसे आशीर्वाद लेकर व बोधराज सीकरी से जरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेकर श्री हनुमान

चालीसा के पाठ का संगीतमय रूप से पाठ प्रारम्भ किया गया। उनके साथ पौंछत भैम दत ज्योतिशालार्य, पौंछत रमाकौत एवं श्री देवेंद्र ने साथ दिया। गवेंद्र गोसाई द्वारा इस कार्यक्रम में सभी को साथ लेकर निराकाशमय लिये 10 नार श्री हनुमान चालीसा के पाठ किये गये। उनसके उपरांत स्वामी जी ने बापडोर

संभाली और गायकों और सूर्यों के साथ हनुमान चालीसा का दो बार पाठ किया जिसमें आध्यात्मिक रस की झलक दिखी। स्वामीजी के कथानुसार मैनेजमेंट के लिए यह एक गहन ग्रंथ है। इस भव्य एवं दिल्ल्य आयोजन में डाक्टर स्वामी दिल्ल्यानंद महाराज की उपस्थिति एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

महाराज श्री द्वारा बोधराज सीकरी को माला अर्पण कर व पटिका ढालकर आशीर्वाद देते हुए उन्हें ज्यस गदी से भरपूर सुभासीष आहजा, रमेश मुंजाल, सुरेंद्र योरेजा, राजपतल आहजा, पं. भीम दत ज्योतिशालार्य, सौ. बी. मनवन्दा, रमेश कुमार, राज कुमार जुनेजा की उपस्थिति प्रदान करता है कि आपने जो यह साम नाम रूप की मुहिम लगाई है उसमें निरंतर बद्दोंतरी होती रहे और आप हमेशा जिस

तरह समाज के लिए प्रदेश के लिए कार्य कर रहे हो आगे भी इसी प्रकार करते रहें। इस कार्यक्रम में ओम प्रकाश कथारिया, सुरेंद्र सुल्तान, उदय भान योवर, राम लाल योवर, गवेंद्र गोसाई, गवेंद्र बजाज, रमेश कामरा, केसर दास योवर, गवेंद्र कुमार सुल्तान, किंशोरी लाल दुडेजा, श्रीमती ज्योतिसना बजाज, श्रीमती रजना बजाज, हरीत कुमार, आश्रम के प्रधान राजेश गवरा, योगानार्थ आहजा, रमेश मुंजाल, सुरेंद्र योरेजा, राजपतल आहजा, पं. भीम दत ज्योतिशालार्य, सौ. बी. मनवन्दा, रमेश कुमार, राज कुमार जुनेजा की उपस्थिति प्रदान करता है। भक्तजनों द्वारा लगाया 5600 नार श्री हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया गया।

दैनिक मेवात

बच्चों को संखारवान बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य : बौधराज सीकरी

અમ. મનુષ મંત્રી
કૃત્તિવા પણે 16-૧



जल्दी सा फट की कृत कंपनी
उत्तराखण्ड ने बज़रियम को
14600 रुपये और दूसरे पूर्व
158000 की रुम्म है और अब
सिर्फ इनका नया 172600 है

नई दिल्ली, लखनऊ, गयपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित



पार्यानिकर

सीकरी के प्रयासों से हनुमान चालीसा के अब तक पाठ 172600 हुए

बच्चों को संरक्षण बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य

गुरुग्राम। श्रीगीता आश्रम ज्योति पार्क में हनुमान भक्तों को बोधराज सीकरी ने चखाया भक्तिरस का स्वाद, रामायण और हनुमान चालीसा की तुलनात्मक विवेचना कर जय शब्द का अर्थ समझाया। श्रीगीता आश्रम ज्योति पार्क में डॉ. स्वामी दिव्यानंदजी महाराज की अध्यक्षता में समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वारा लिए गए संकल्प के तहत श्री हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया। श्रीहनुमान चालीसा के पाठ से पूर्व महाराजजी द्वारा आश्रम में 750 से अधिक उपस्थित भक्तों को दिव्य एवं सारगर्भित शास्त्रों के माध्यम से अपार भक्ति ज्ञान की चर्चा की गई।

गीता के दूसरे अध्याय के 11वें श्लोक की व्याख्या की और उपासना का गहन अर्थ समझाया। यह कार्यक्रम सांय 6:30 बजे से रात्रि 8:00 तक चला। इसके बाद स्वामीजी ने हनुमानजी की भव्य भक्ति और शक्ति का ज्ञान दिया। बोधराज सीकरी ने रामायण और हनुमान चालीसा पाठ की तुलनात्मक तरीके से विवेचना कर जय शब्द का



गहरा अर्थ समझाया। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य युवा पीढ़ी को संस्कार बनाना है। प्रभु हनुमान की पूजा अर्चना गुरुग्राम स्थित श्रीगीता आश्रम ज्योति पार्क में उपरांत गजेंद्र बोधराज सीकरी को सम्मानित करते डॉ. गोसाई द्वारा स्वामी दिव्यानंदजी महाराज। महाराज को दंडवत प्रणाम करते हुए उनसे आशीर्वाद लेकर व बोधराज सीकरी से चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेकर श्री हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय रूप से पाठ प्रारम्भ किया गया। उनके साथ पंडित भीम दत्त ज्योतिषाचार्य, पंडित रमाकांत एवं देवेंद्र ने साथ दिया। गजेंद्र गोसाई द्वारा इस कार्यक्रम में सभी को साथ लेकर बिना विश्राम लिये 10 बार श्रीहनुमान चालीसा के पाठ किये गये।

हरियाणा की आवाज

सबसे तेज... सबसे आगे

भिवानी, चंडीगढ़, हिमार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

वर्ष : 14 अंक : 329

मित्रानी ग्रन्थालय 18 मई 2023

मूल्य : 3.00 रुपये

8:32 AM

सीकरी के प्रयासों से हनुमान चालीसा के अब तक पाठ 172600 हुए

-बच्चों को संस्कारवान बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य

गुरुग्राम। श्री गीता आश्रम ज्योति पार्क में डॉ. स्वामी दिव्यानन्द जी महाराज की अध्यक्षता में समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वारा लिए गए संकल्प के तहत श्री हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया। श्री हनुमान चालीसा के पाठ से पूर्व महाराज जी द्वारा आश्रम में 750 से अधिक उपस्थित भक्तों को दिव्य एवं साराधर्भित शास्त्रों के माध्यम से अपार भक्ति ज्ञान की चर्चा की गई। गीता के दूसरे अध्याय के 11वें श्लोक की व्याख्या की और उपासना का गहन अर्थ समझाया। यह कार्यक्रम सायं 6:30 बजे से रात्रि 8:00 तक चला। इसके बाद स्वामीजी ने हनुमान जी की भव्य भक्ति और शक्ति का ज्ञान दिया। बोधराज सीकरी ने रामायण और हनुमान चालीसा पाठ की तुलनात्मक तरीके से विवेचना कर जय शब्द का गहरा अर्थ समझाया। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाना है। प्रभु हनुमान की पूजा अर्चना उपरांत गजेंद्र गोसाई द्वारा



महाराज को दंडवत प्रणाम करते हुए उनसे आशीर्वाद लेकर व बोधराज सीकरी से चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेकर श्री हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय रूप से पाठ प्रारम्भ किया गया। उनके साथ पंडित भीम दत्त ज्योतिषाचार्य, पंडित रमाकांत एवं देवेंद्र ने साथ दिया। गजेंद्र गोसाई द्वारा इस कार्यक्रम में सभी को साथ लेकर बिना विश्राम लिये, 10 बार श्री हनुमान चालीसा के पाठ किये गये।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आयाज

बचों को संस्कारवान बनाने के लिए नियनित रूप से की जानी
चाहिए हनुमान जी की उपासना : स्वामी दिव्यानंद महाराज



स्वामी दिव्यानंद महाराज

मुख्याम् । उपासना-पूजा का केवल पार्थिव महत्व ही नहीं है, अपने व्यावहारिक भी है। मानसिकता बदलने का तो यह मुख्य समष्टि है। कर्मात्मक इम चिन्तकी भी इस रूप में उपासना करते हैं, वह वह सोच कर करते हैं कि हम उसके समाप्त पहुंच जाएं।

ठक ठगार गोलाघामेश्वर दा, स्वामी दिव्यानंद महाराज ने ज्ञोति पर्क स्थित श्रीगोता आश्रम में श्रीगोता संधना सेवा समिति द्वारा आयोजित चूर्णिदिव्याय गोता गमन स्थान महोत्सव में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि श्रीगम भक्त हनुमान शार्क के प्रतीक हैं। सनातन धर्म में

उनको आगाम देन माना गया है। उनकी उपासना मात्र से स्वरूप: ही ब्रह्मलूपों के कह दूर हो जाते हैं। उनकी उपासना से एक नई शार्क मिलती है। हनुमान जी अस-अपर है। वायुनिक काल में भी हनुमान जी से जुड़े प्रसंग नहीं हो प्राप्तिकर है। महामार जी ने कहा कि श्री हनुमान जी बाल ब्रह्मवारी है, उनको शूल के प्रति छारण, शक्तियों का धर्मात्मक प्रयोग, अहंकार रहित दात्य भान, बत्त और चुदि का विवेक पूर्वक संसुलन उनमें निहत है। ऐसे सद्गुणों को आब पराकरकता है। उन्होंने स्वामीजीपरावर्ती शीकरी न ठोक सहनोगियों द्वारा हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन की सहायता करते

हुए कहा कि हनुमान चालीसा पाठ के मनन का बोला उन्होंने ठहरा है, वह सराहनाय है। उनके इस अधियान से देव की भावी पीढ़ी को बहुत कुछ मिलेगा। पीढ़ी जहाँ से उन्हें प्रसंग नहीं हो प्राप्तिकर है।

से भी परिचित हो सकेंगे। आश्रम के प्रबोधक राजेश गाला ने जताया कि हनुमान चालीसा पाठ का श्रवण करने के लिए बड़ी सख्ती में मारित्य, पुरुष, बने व लेते के गणान्य व्यक्ति भी संस्कारत्वन भेजेगी, नहीं आराध्य देने

19 मई से HR 72 H नई सीरिज शुरू

स्वामी दिव्यानंद महाराज

मुख्याम् । खोदना के एस्ट्रोटी प्रीप डिफ ने जताया कि सरकार की हितावत अनुसार 19 मई से HR 72 H नई सीरिज शुरू हो रही है। उन्होंने जताया कि इस नई सीरिज में अपने वाहनों का एवीकरण करवाने के इच्छुक व्यक्ति 19 मई शुक्रवार से आवेदन कर सकते हैं।

किसी व्यक्ति संस्था को अपनी परिद का नंबर लेना है तो वह यथ उपर्युक्त होकर अपना अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अपनी फाईले ज्ञा करवा सकते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक हुए 172600 पाठ बच्चों को संस्कारण बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य : बोधराज सीकरी

● श्री गीता आश्रम, ज्योतिपार्क, गुरुग्राम में हनुमान भक्तों को बोधराज सीकरी ने चखाया भवितरस का स्वाद, रामायण और हनुमान चालीसा की तुलनात्मक विवेचना कर समझाया जय शब्द का अर्थ

ह्यूमन इंडिया/ब्लूटी
मुहुराम भैंसनात तारि 8:00 से श्री गंगा आश्रम, ज्योति पार्क जीवी एक प्रिय गोठ है एवं विसर्ग के परमायष्ट्र पूज्य चरण परावर्ण गीती है। स्थानीय दिव्यांश जी महाराज फिरु है उनकी अभ्यर्ता में समाजसेवी लोधराज सीकरी द्वारा लिए गए संकल्प के तहत श्री हनुमान चालीसा के पाठ का आवाहन किया गया। श्री हनुमान चालीसा के पाठ से पूर्व परम ऋद्धेय, अर्जीवीर, नर्तीय महाराज जी द्वारा छव्वाचर भैर आश्रम में 750 से अधिक उपसंहित भक्तों को दिये एवं सारांशित चालीसा के गायत्र्य से अधार भवित्व ज्ञान की चर्चा की गई। गीतों के दूसरे अधार्य के 11वें श्लोक को जालाया की और उपासना का गहन अर्थ समझाया। यह कार्यक्रम उनका खाली 6:30 बजे से गो 8:00 तक रहा।



द्वारा परम स्वामीजी ने हनुमान जी को भव्य भौतिक और शाकित का ज्ञान दिया और फिर बोधराज सीकरी को स्थानीजी ने जीवन का असार प्रदान किया। जीवराज सीकरी ने रामायण और हनुमान चालीसा पाठ को तुलनात्मक तरीके के विवेचन कर बताया तब जो गद्य अर्थ समझाया और ज्याया विद्युत संसार लक्ष्य कुछ पीढ़ी को संस्कृतस्वरूप बनाना है। प्रभु हनुमान की पूजा अवसन्न उपर्युक्त गवर्नर गोसाई द्वारा बहारज श्री को ठारवत प्रणाली करते हुए उनसे आवाहनदर्शक सेवक न भोग्याल सीकरी से जरूर समर्पि कर आवीर्वद लेन्दर श्री हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय स्वर से पाठ प्राप्तम विना गया इनके साथ गोठी द्वारा भौतिक एवं श्री देवी ने खाल दिया। गवर्नर गोसाई द्वारा इस कार्यक्रम में सभी को साध्य लेन्दर जिना विज्ञान लिये 10 जर श्री हनुमान चालीसा के पाठ किये गये। उक्ति उपर्युक्त स्थानी जी ने

नामदेव सैफाली और गवर्नर और सुरों के साथ हनुमान चालीसा का दो बार पाठ किया जिसमें आवाहनीक रस को झलक दिया। स्थानीजी के कार्यालय मैनेजर्स के लिए वह एक गहन ग्रन्थ है।

इस भव्य एवं दिल्ली आवोजन में द्वारा द्वारा दिल्ली आवाहन मूलतात्व को उपर्युक्त एवं उनका आवीर्वद प्राप्त हुआ बहारज श्री द्वारा बोधराज सीकरी को माल अपैर कर व चाटोंका टालकर आवीर्वद देते हुए उन द्वारा ज्ञान गद्य से भौतिक हनुमान दिव्य व कहा कि मैं फैले भी इस कार्य के द्वारा आपको फैल करके नहीं दे देता हूं व क्यों: आपको आवीर्वद प्रदान करता हूं कि आपने कुमार, राजकुमार जूनेज और आहुजा, रोह भूजल, भूर्ज थरेज, राजकुमार अहजा दत्त आहजा, प.पौय दत्त ज्योतिषाचारी, सीबी मानदा, रोह आप लक्ष्य किया। अनुब मौजूद गुदा एवं भासत गुदा को ऊनके नव घृद प्रवेश पर द्वारा सुरु जर्वे के लिए बहुत बहुत बाहर ही है। इन्हाँन चालीसा पाठ की कुल संख्या उपर्युक्त दो कार्यक्रम की 14600 हुई। और इस से पूर्व 158000 से जुड़ी है और अब वह संख्या जी जाताजा कर 172600 हो जुड़ी है।

3 **हरियाणा**
ठर्डों की तर्ज पर होगा गर्भी का
दिक्षण : देहलू बरती



6 **विचार क्रान्ति**
सालों तक राजनीति और जनकाधारों
की छोटी

राष्ट्रीय दैनिक

8 **हरियाणा**
खेतीपाल के एकाइ का
बदलाव से शुरू

मंडलापाल अमर खासीयोंगी रख. जी विश्वकरमा जी भवित्वा
व शास्त्र जी विश्वकरमा द्वारा दिया गया था। वे तरों वह कुछ विश्व का था।

10 **हरियाणा**
दिल्लीता सीक्स लर्डों को सततता
ले पूरी करती है। बड़तरी ताज

12 **हरियाणा**
सड़कों को बेहतर करनेवाली एक
विकास निवारि द्वारा चैलेन्ज

जगत क्रान्ति

हरियाणा का सर्वमान्य लोकप्रिय दिनी दैनिक

E-paper : <http://jagatkrantijind.co.in>

E-mail: jagatkrantijind@gmail.com

जैन्ट (हरियाणा) से प्रकाशित



रोप : 44 फ़ोन : 126

जैन्ट

जूनापार, 11 मई, 2023

पृष्ठ 12 | मूल ₹ 2

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम दो लाख के करीब

■ बच्चों को संस्कारवान बनाना मुहिम का है मुख्य उद्देश्य : बोधराज सीकरी

जगत क्रान्ति ॥ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : ज्योति पार्क स्थित श्रीगीता आश्रम में मंगलवार देर साथ गीताज्ञनेश्वर डा. स्वामी दिव्यानंद महाराज भिक्षु की अध्यक्षता में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी विरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरू की गई मुहिम के तहत श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। श्री हनुमान चालीसा पाठ से महाराज जी द्वारा श्रद्धालुओं से खचाखच भरे आश्रम में श्रद्धालुओं भक्तों को भक्ति ज्ञान से अवगत कराया। गीता के दूसरे



अध्याय के 11वें श्लोक की व्याख्या कर विस्तार से बताया। स्वामी दिव्यानंद महाराज ने हनुमान जी की भव्य भक्ति और शक्ति का ज्ञान दिया। बोधराज सीकरी ने रामायण और हनुमान चालीसा पाठ की तुलनात्मक तरीके से विवेचना कर जय शब्द का अर्थ समझाते हुए कहा कि उनका लक्ष्य युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाना है। हनुमान जी की पूजा अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाई द्वारा हनुमान चालीसा पाठ की संगीतमय शैली में शुरूआत की गई, जिसमें

पड़ित भीमदत्त, पड़ित रमाकांत व देवेंद्र ने उनका साथ दिया।

गजेंद्र गोसाई ने 10 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। स्वामी जी ने सुरों के साथ हनुमान चालीसा का 2 बार पाठ किया जिसमें आध्यात्मिक रस की झलक दिखी। महाराज जी ने कहा कि मैनेजमेंट के लिए यह एक गहन ग्रन्थ है। स्वामी दिव्यानंद महाराज ने बोधराज सीकरी को माला पहनाकर व पट्टिका डालकर अपना आशीर्वाद दिया और कहा कि बोधराज सीकरी ने समाज को एकजुट करने व

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए यह मुहिम शुरू की है। इस मुहिम को लगातार सफलता मिलती जा रही है। इस प्रकार 750 लोगों द्वारा 12 बार पाठ किया गया जिसका कुल योग 9 हजार हुआ। बोधराज सीकरी द्वारा हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत शिवाजी नगर स्थित बालाजी मंदिर की संचालिका देवता महाराज के शिष्य मनोज गुप्ता व भारत गुप्ता द्वारा बनाए गए नवग्रह के उपलक्ष्य में 6 मई से 12 मई तक श्री भागवत पुराण की कथा जो नंदगांव के महर्षि पुरुषोत्तम कृष्ण गोस्वामी द्वारा भागवत पुराण में 7 दिन तक उपस्थित भक्तजनों द्वारा लगभग 5600 बार हनुमान चालीसा के पाठ का पठन किया गया। जिसके लिए बोधराज सीकरी द्वारा देवता महाराज एवं पुरुषोत्तम कृष्ण गोस्वामी का सहृदय आभार व्यक्त किया।

अमर भारती

हिंदूकरण

एक उम्मीद

बच्चों को संस्कारवान बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य : बोधराज सीकरी

अमर भारती संबाददाता

गुरुग्राम। श्री गीता आश्रम, ज्योति पाठ के जोकि एक सिद्ध पीठ है एवं जिसके परमाध्यक्ष डॉ. स्वामी दिव्यानंद महाराज "जिथु" हैं उनकी अध्यक्षता में समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वारा लिए गए संकल्प के तहत "श्री हनुमान चालीसा" के पाठ का आयोजन किया गया। "श्री हनुमान चालीसा" के पाठ से पूर्व परम श्रद्धेय, अर्चनीय, वंदनीय महाराज श्री द्वारा खुचाखुच घरे आश्रम में 750 से अधिक उपस्थित भक्तों को दिव्य एवं सारगर्भित शास्त्रों के माध्यम से अपार भक्ति ज्ञान की चर्चा की गई। गीता के दूसरे अध्याय के 11वें श्लोक की व्याख्या की और उपासना का गहन अर्थ समझाया। यह कार्यक्रम उनका साथ 6:30 बजे से रात्रि 8:00 तक चला। तदोपरांत स्वामीजी ने हनुमान जी की धृष्टि भक्ति और शक्ति का ज्ञान दिया। बोधराज सीकरी ने रामायण और हनुमान चालीसा पाठ की तुलनात्मक तरीके से विवेचना कर हृजय हृष्ट शब्द का गहरा अर्थ समझाया और अताया कि उनका लक्ष्य युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाना है। गजेंद्र गोसाई द्वारा इस कार्यक्रम में सभी को साथ लेकर विना विश्राम लिये 10 घार "श्री हनुमान चालीसा" के पाठ किये



गये। उसके उपरांत स्वामी जी ने यागाढ़ोर संस्थाली और गायकी और मुरों के साथ हनुमान चालीसा का दो घार पाठ किया जिसमें आध्यात्मिक रस की झलक दिखी। इस कार्यक्रम में ओम प्रकाश कथूरिया, सुरेंद्र सुल्तर, उदय भान ग्रोवर, राम लाल ग्रोवर, गजेंद्र गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, केसर दास ग्रोवर, रविंद्र कुमार, सुल्तर, किशोरी लाल योग ने हजार हुआ।

दुष्टेजा, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती रचना बजाज, हरीश कुमार, आश्रम के प्रधान राजेश गावा, योगाचार्य आहूजा, रमेश मुंजाल, सुरेंद्र बरेजा, राजपाल आहूजा, प. धीम दत्त ज्योतिषाचार्य, सी. वी. मनचन्दा, रमेश कुमार, राज कुमार जुनेजा की उपस्थिति रही। इस प्रकार 750 लोगों द्वारा वारह घार पाठ किया गया जिसका कुल योग नी हजार हुआ।

देव के सरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक हुए 172600 पाठ

देव केसरी / अखिलद चन्दन

गुरुग्राम। कल दिनांक 16-5-2023 (मंगलवार) गति 8:30 से श्री गीता आश्रम, ज्योति पार्क जैकि एक सिड्ड घेठ है एवं जिसके परमाच्यवा पूज्य चरण परमार्थ मृति द्वा स्वामी दिव्यानंद जी महाराज भिसू है उनको अध्यक्षता में समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वाव लिए गए संकल्प के तहत श्री हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया। श्री हनुमान चालीसा के पाठ से पूर्व यम श्रद्धेय, अच्छीय, वर्दनीय महाराज श्री द्वाव खदाखाव भी आश्रम में 750 से अधिक उपस्थित भक्तों को दिल्ली एवं सरारभित शास्त्रों के माध्यम से



अपार भक्ति ज्ञान की चर्चा की गई। गीता के दूसरे अध्याय के 11वें श्लोक की व्याख्या की और उपस्थना का गहन अर्थ समझाया। यह कार्यक्रम उनका साथ 6:30 बजे से गति 8:30 तक चला। लद्दोपराने स्वामीजी ने हनुमान जी की भव्य भक्ति और शक्ति का जान दिया और फिर बोधराज सीकरी को स्वामीजी ने बोलने का

अवसर प्रदान किया। बोधराज सीकरी ने गमायण और हनुमान चालीसा पाठ की तुलनात्मक तरीके से विवेचन कर जय = शब्द का गहग अर्थ समझाया और बताया कि उनका लक्ष्य युवा योगी को संस्कारवान बनाना है। प्रभु हनुमान की पूजा अर्चन उपराने गजेंद्र गोसाई द्वाव महाराज श्री को दंडवत प्रणाम करते हुए उनसे आशीर्वाद

लेकर व बोधराज सीकरी से चरण सर्ण कर आशीर्वाद लेकर +श्री हनुमान चालीसा+ के पाठ का संगोत्तम रूप से पाठ प्राप्ति किया गया। उनके साथ पंडित भीम दत्त ज्योतिषाचार्य, पंडित समाजत एवं श्री देवेंद्र ने साथ दिया। गजेंद्र गोसाई द्वाव इस कार्यक्रम में सभी को साथ लेकर बिना विश्राम लिये 10 बार +श्री हनुमान चालीसा+ के पाठ किये गये। उसके उपराने स्वामी जी ने बोधराज सीकरी और गायकी और सुरों के साथ हनुमान चालीसा का दो बार पाठ किया। जिसमें अच्छात्मक सक्स की झलक दिली। स्वामीजी के कथन-सार मैनेजर्स के लिए यह एक गहन ग्रंथ है। इस भव्य एवं दिल्ली आयोजन में डॉक्टर स्वामी दिव्यानंद महाराज की

उपस्थिति एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ। महाराज श्री द्वाव बोधराज सीकरी को माता अपेण कर व पटिका डालकर आशीर्वाद देते हुए उन्हें व्यास गही से भरपूर शुभाशीष धान ग्रावर, रम लाल ग्रावर, गजेंद्र गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामर, केसर दास ग्रावर, रविंद्र कुमार खुल्ला, किशोर लाल दुड़ेजा, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती रवना बजाज, हरीश कुमार, आश्रम के प्रधान गजेश गावा, योगाचार्य आहूजा, स्मैश मुनाल, सुंदर थेजा, गजपाल अहजा, पं. भीम दत्त ज्योतिषाचार्य, सौ. वी. मनचन्दा, रमेश कुमार, राज बुमर जूनेज की उपस्थिति रही। इस प्रकार 750 लोगों द्वाव बारह बार पाठ किया गया जिसका कुल योग नौ हजार हुआ।

भारत सारथी

बच्चों को संस्कारवान बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य : बोधराज सीकरी



भारत सारणी

मुहूर्मा। मध्यलक्षण सुनि ४५
से श्री गोविंद अवधारम्, ज्ञानी पाणि
जोकि एक सिद्ध पीठ है एवं विस्तर
परमायात्र चूय चरण परमाय भूमि
ता, रसायन द्विवारं जो महायात्र
सुखी दृ उनकी अवधारम्
सामाजिकी औषधी स्थिरीते द्वा
तिर एवं संकल्प के तहत श्री हनुमन
जलतीसा के पाठ का आयोगन किए
मथ। श्री द्वारुपाज जलतीसा के छाट
पूर्ण पराय ब्रह्मेय, अन्नेश, बद्धों
महाराज श्री द्वारा छन्नाचन वा
आपनि ७५० से अधिक उपस्थिति
भक्तों को दिखाए व्यापारीयों तथा
कामियों के गमयन से जगता भावित ज्ञान व
जननी की गई। गोवि के द्वारी अध्यात्म
के ११८ श्लोकों की व्याख्या की वी
उपासना का गहन अर्थ समझाय। वा
कर्मसंबंध उन्नाम समय ६:३० बजे
याहि ४:५० बजे बता।

तरीक्षण समाजी ने इन्हाँन को भय पहिले और सकृदि का ज़रिया और फिर नोवेशन सीकरी न स्वयंभावी न बोलेका का अवसर प्रदान किया। जोपरांग सीकरी ने गमक और इन्हाँन जालीया पाठ के मुकुरनामक तरीके से लिखेका न जग शब्द का महरा अर्थ समझा।

और जाना कि उनका लक्ष्य बुद्धि
पीढ़ी को संस्कृतवान बनाना है। प्रति
हनुमन की पूजा अर्चना ठापित मने
गेसह हाथ महाराज जी को ठंडव
प्रणाल करते ही उत्तम वापिसी
लेकर वा वापिसी सोकीरे से नर-
सरी कर आयीवार लेकर श्री हनुमन
जलीया के पाठ का संपूर्णतम स्पृह
पाठ प्रारम्भ किया गया उनके साथ
पीठउ पीढ़ दर न्यालिखाय, पीठ
रामाकृष्ण एवं जी देवत ने गाय दिया
मनेव गोसाह हाथ इस कार्यक्रम
सभी को साथ लेकर बिना विवाह
तिथे 10 बार श्री हनुमन जलीया ने
पाठ किये गये।

उसके उपरोक्त स्वामी जै ने बगड़ावीर रीधाली और गावको और मुरुं के साथ हनुमान जलाशय का देखा जब पाठ लिया जिसमें आश्रमाचारण रखे गए दिव्य। स्वामीजी ने कामान-प्राप्त योगदानके स्थिति एवं वह प्रसाद गढ़न दीया है। इस प्रसाद एवं दिव्य आजीवनमें दीमतर स्वामी दिव्यानन्द महाराज की उपसर्थित एवं उनकी अवधीनता प्राप्त हुआ महाराज जी द्वारा बोधाप्रवास स्वाक्षरी को मात्रा अपेक्षित नहीं दिया गया ताकिए उनके द्वारा हुए उन्हें अप्राप्त रूप से भरपूर तापमाली रिया व रक्षा की मिले पहुंचने

भी इस कार्य के लिए आपको फेनें करके बधाई दे चुका हूँ व वह पुनः आपको आशीर्वद प्रशंस करता हूँ कि आपने जो कर रख था मूल रूप से उम्मीद वाले हैं उसमें निराकरण करने वाले होते हों और आपने विस उठाए गए कार्य के लिए प्रशंसा के लिए काम कर दे हो आपने भी इसी प्रकार करते हैं। स्थानीय ने प्रसन्न होकर बोधवार योगी से आपहुँ लिखा जिस बुद्धिमत्ता को भी यह आदेश बढ़ाव दें और कार्यक्रम नियम रूप में टाईडोया के रूप में शरण दें। स्थानीय ने बोधवार योगी से कहा कि प्रथु आप पर हमेशा नुस्खा बनाए रखें। इस कार्यक्रम

में ओपरेशन क्यारिया, मुंबई सूल्तन, ददर भाग प्रोविन्स, एग लॉक हाईकोर्ट, वॉर्कर्स गोस्टर्स, थोर्ड बर्कले, विक्टोरिया क्यारिया, केंटरार दाम प्रोविन्स, विक्टोरिया क्यारिया, जॉर्जिया ब्रॉडवे, श्रीमती रवजा ब्रॉडवे, दृष्टिकोण, आक्रमण के प्रभाव गुरुत्व वापी, योगान्तराल आहजा, ऐप्ट चुनौति, मुंबई रेलवे, रेलवे अधिकारी, दक्षिण भारत, एसेंसी चुनौति, एचएसएस, दृष्टिकोण, कुमार, एचएसएस, दृष्टिकोण का उपर्युक्ति देखि। इस प्रकार 750 लोगों द्वारा उच्च और पाठ किए गये

श्री गीता आश्रम,
ज्योतिपार्क, गुरुग्राम में
हनुमान भवनों को बोधराज
सीकरी ने बखाया
भक्तिरस का स्वाद,
समाधान और हनुमान
चालीसा की तुलनात्मक
विवेचना कर समझाया
जय शब्द का अर्थ

विसर्जन कुल योग नी हड्डर हुआ।
सामाजिकीय बोपापत्र योकी द्वारा
श्री हुम्मन चालीसा के पाठ की
प्रतीक के तहत परम पूर्ण श्री देवता
जी महाराज, भीषण श्री लक्ष्मी,
हुम्मन जी महाराज, शिवजी गंगा
की संरक्षिता के परम तिथि मोर्यो
मुख एवं भास्तु गुरुता के हृषी बनाए
एवं नवाज्ञ के उपर्युक्त में ५ - ८
२०२३ से १२-५-२०२३ तक श्री
भास्तु पूर्ण जी का कथा की पूर्ण
महार्षि पूर्णोदय कृष्ण गोदावरी,
नंदगांव जी के द्वारा भास्तु पूर्ण ये
७ दिन का उपर्युक्त भक्तवत्ती द्वारा
लगभग ५६०० बार श्री हुम्मन
चालीसा के पाठ का उठन किया
गया। सिवके लिए बोपापत्र योकी
के द्वारा श्री देवता जी महाराज एवं
भास्तु पूर्ण के मर्मज्ञ पूर्ण
पूर्णोदय कृष्ण गोदावरी का महदीव
आधा लक्ष विद्युत। अनुबूति माया
मुख एवं भास्तु को उनके नव
मुह प्रवेश पर इस दूसरी कावे भेत्ति
नहूत-नहूत बक्ष्य ही। हुम्मन
चालीसा पाठ की कुल संख्या
उपर्युक्तवत् यो कार्यक्रम की 14600
हुई। और इस से पूर्व 15800 टो
कुम्ही है और उसके फि संख्या मिला
कर 172600 ही रही है।

ज्योति दर्पण

हिन्दी दैनिक

Website : www.jyotidarpan.com

बच्चों को संस्कारवान बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम श्री गीता आश्रम, ज्योति पाठ के एक सिद्ध पाठ है एवं जिसके परायाध्य पूज्य दर्शन परमार्थ भूति और स्वामी दिव्यानंद जी महाराज़ : प्रियों : हमें उनकी अल्लाहता में समाजसेवकों द्वारा सोकरी द्वारा लिए गए सम्मलूक के लक्षण + श्री हनुमान चालीसा : के पाठ का अध्यायन किया गया। + श्री हनुमान चालीसा : के पाठ से पूर्व प्रथम श्रद्धेय, अर्चनीय, व्रद्धनीय दर्शन जी द्वारा स्वचारित भूमिका में आश्रित 750 से अधिक ज्ञानीयता भरनी को दिया एवं सारांशित शास्त्रों के पाठ्यक्रम से अपना खालिक ज्ञान की चर्चा की गई। गीता के दूसरे अध्याय के 11वें स्लोक की व्याख्या की और उपरान्त का गहन अर्थ समझाया। यह कार्यक्रम उनका साथ 630 बजे से द्वाये 820 तक चला। तदीपरत स्वामीजी ने हनुमान जी को भव्य भूमिका और शास्त्र का ज्ञान दिया और पिर बोधराज सीकरी को स्वामीजी ने बोलने का अवसर प्रदान किया। बोधराज सीकरी ने समाप्ति और हनुमान चालीसा पाठ की तुलनात्मक तरफ़ से विवेचना कर। जय + शब्द



का गहना अर्थ समझाया और बताया कि उनका लक्ष्य युवा पोकों को सभी को साथ लेकर दिवा विश्राम द्वाये 10 बजे : श्री हनुमान की पूजा अर्चना उपरान्त गवेह गोराइ द्वाये महराज श्री को दृढ़त प्रणाम करते हुए उपरान्त सोकरी और गायकी और सुरों के साथ भूषण द्वारा देखे हुए उन्हें व्यास गदी से लुप्तमान चालीसा का दो बार पाठ दिया जिसमें आशीर्वाद रस को फैन करके बहाइ दे चुका है व पुनः आपको आशीर्वाद प्रदान करता है इलक दिया। स्वामीजी के सोकरीयम सम से पाठ प्रारंभ किया गया। उनके साथ पाइल भौम दर्श ज्योतिशालामी, पीड़ित रामाकात एवं श्री देवेन्द्र ने साथ दिया।

गवेह गोराइ द्वाये इस कार्यक्रम में सोकरी को साथ लेकर दिवा विश्राम अपरित स्वामी जी ने बांधोर सोकरी आशीर्वाद प्राप्त हुआ। महराज श्री द्वाये बोधराज सोकरी को भासा अपीण कर व पाटका तलवार उपरित द्वाये अर्चना देने हुए उन्हें व्यास गदी से भूषण द्वारा दिया व कहा कि मैं पूले भी इस कार्य के लिए आपनो जिया जिसमें आशीर्वाद रस को फैन करके बहाइ दे चुका है व पुनः आपको आशीर्वाद प्रदान करता है इक फैन देता है। इस भव्य एवं दिया एक फैन देता है। इस भव्य एवं दिया आयोजन में डाक्टर स्वामी दिव्यानंद आयोजन में डाक्टर स्वामी दिव्यानंद होती है और आप हमेशा जिस तरह

महराज को उपरित एवं उनको अशीर्वाद प्राप्त हुआ। महराज श्री द्वाये बोधराज सोकरी को भासा अपीण कर व पाटका तलवार आशीर्वाद देने हुए उन्हें व्यास गदी से भूषण द्वारा दिया व कहा कि मैं पूले भी इस कार्य के लिए आपनो जिया जिसमें आशीर्वाद प्रदान करता है इक फैन देता है। स्वामीजी के सोकरीयम सम से पाठ प्रारंभ किया गया। उनके साथ पाइल भौम दर्श ज्योतिशालामी, पीड़ित रामाकात एवं श्री देवेन्द्र ने साथ दिया।

महराज को उपरित एवं उनको अशीर्वाद प्राप्त हुआ। महराज श्री द्वाये बोधराज सोकरी को भासा अपीण कर व पाटका तलवार आशीर्वाद देने हुए उन्हें व्यास गदी से भूषण द्वारा दिया व कहा कि मैं पूले भी इस कार्य के लिए आपनो जिया जिसमें आशीर्वाद प्रदान करता है इक फैन देता है। स्वामीजी के सोकरीयम सम से पाठ प्रारंभ किया गया। उनके साथ पाइल भौम दर्श ज्योतिशालामी, पीड़ित रामाकात एवं श्री देवेन्द्र ने साथ दिया।

देवता जी महाराज, मादर श्री बालाजी, हनुमान जी महाराज, शिवाजी नाना जी सोकरीयम के परम शिष्य मणिहंसा जी एवं भारत गुरु के द्वारा बनाए गए नवग्रह के ग्राहकश्य में 6-5 -2023 से 12-5-2023 तक : श्री भागवत पुराण : कृष्ण जी सोकरीयम से कहा कि प्राप्त कृष्ण गोस्वामी, देवाव जी के द्वारा भागवत पुराण में 7 दिन तक उपरित भवकर्त्तों द्वारा लक्षण 5600 बार : श्री हनुमान चालीसा : के पाठ का पठन किया गया। उसके लिए बोधराज सोकरीयम के द्वारा श्री देवता जी महराज एवं भागवत पुराण : के मणि पूज्य पुरुषोत्तम कृष्ण गोस्वामी का सहस्रद्य आगाम व्यवस्थ किया। अनुज मणोज गुणा एवं भारत गुणा को उनके नव गुण प्रदेश पर इस सुदूर कार्य के लिए बहुत बहुत बधाई है।

हनुमान चालीसा पाठ की कूल संख्या भूमिकाका दो कार्यक्रम की 14600 हैं। और इस से पूर्व 158000 हो जाएंगे और ऊपर कि संख्या मिला कर 172600 हो जाएगी।

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक हुए 172600 पाठ



बच्चों को संस्कारवान बनाना मुहिम का मुख्य उद्देश्य : बोधराज सीकरी

श्री गीता आश्रम, ज्योतिपार्क, गुरुग्राम में हनुमान भक्तों को बोधराज सीकरी ने चाखाया भृतिरस का स्वाद, रामायण और हनुमान चालीसा की तुलनात्मक विवेचना कर समझाया जय शब्द का अर्थ

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम 16 मई (मंगलवार) रात्रि 8:00 से श्री गीता आश्रम, ज्योतिपार्क एक सिद्ध पीठ है एवं जिसके परमायक्ष पूज्य चरण परमार्थ मूर्ति डॉ. स्वामी दिव्यानंद जी महाराज "भिषु" है उनकी अध्यक्षता में समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वारा लिए गए संकल्प के तहत "श्री हनुमान चालीसा" के पाठ का आयोजन किया गया। "श्री हनुमान चालीसा" के पाठ से पूर्व परम श्रद्धेय, अर्चनीय, वंदनीय महाराज श्री द्वारा खचाखच भरे आश्रम में 750 से अधिक उपस्थित भक्तों को दिव्य एवं सारणार्थित शास्त्रों के माध्यम से अपार भक्ति ज्ञान की दर्ढी की गई। गीता के दूसरे अध्याय के 11वें श्लोक की व्याख्या की और उपासना का गहन अर्थ समझाया। यह कार्यक्रम उनका साथ 6:30 बजे से रात्रि 8:00 तक चला। तदोपरांत स्वामीजी ने हनुमान जी की भव्य भक्ति और शक्ति का ज्ञान दिया और फिर बोधराज सीकरी को स्वामीजी ने बोलने का अवसर प्रदान किया। बोधराज सीकरी ने रामायण और हनुमान चालीसा पाठ की तुलनात्मक तरीके से विवेचना कर "जय" शब्द का गहरा अर्थ समझाया और बताया कि उनका लक्ष्य युगा पीढ़ी को संस्कारवान बनाना है। प्रभु हनुमान की पूजा अर्चना उपरांत गजेंद्र गोसाई द्वारा महाराज श्री को दंडवत प्रणाम करते हुए उनसे आशीर्वाद लेकर व बोधराज सीकरी से चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेकर "श्री हनुमान चालीसा" के पाठ का संगीतमय

रूप से पाठ प्रारम्भ किया गया। उनके साथ पंडित भीम दत्त ज्योतिषाचार्य, पंडित रमाकांत एवं श्री देवेंद्र ने साथ दिया। गजेंद्र गोसाई द्वारा इस कार्यक्रम में सभी को साथ लेकर बिना विश्राम लिये 10 बार "श्री हनुमान चालीसा" के पाठ किये गये। उसके उपरांत स्वामी जी ने वागडोर सेमाली और गायकी और सुरों के साथ हनुमान चालीसा का दो बार पाठ किया जिसमें आध्यात्मिक रस की झलक दिखी। स्वामीजी के कथानुसार मैनेजमेंट के लिए यह एक गहन ग्रंथ है। इस भव्य एवं दिव्य आयोजन में डॉक्टर स्वामी दिव्यानंद महाराज की उपस्थिति एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ। महाराज श्री द्वारा बोधराज सीकरी को माला अर्पण कर व पटिका डालकर आशीर्वाद देते हुए उन्हें व्यास गदी से भरपूर शुभाशीष दिया व कहा कि मैं पहले भी इस कार्य के लिए आपको फोन करके बधाई दे चुका हूं व पुनः आपको आशीर्वाद प्रदान करता हूं कि आपने जो यह राम नाम रूप की मुहिम लगाई है उसमें निरंतर बढ़ोत्तरी होती रहे और आप हमेशा जिस तरह समाज के लिए, प्रदेश के लिए कार्य कर रहे हो आगे भी इसी प्रकार करते रहें। स्वामीजी ने प्रसन्न होकर बोधराज सीकरी से आग्रह किया कि बुधवार को भी यह आयोजन जारी रहे और कार्यक्रम तृत्य रूप में डालिया के साथ होगा। स्वामीजी ने बोधराज सीकरी से कहा कि प्रभु आप पर हमेशा कृपा बनाए रखें। इस कार्यक्रम में ओम प्रकाश कथूरिया, सुरेंद्र खुल्लर, उदय भान ग्रोवर, राम लाल ग्रोवर, गजेंद्र गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, केसर दास ग्रोवर, रविंद्र कुमार खुल्लर, किशोरी लाल दुडेजा, श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती रचना बजाज, हरीश कुमार, आश्रम के प्रधान राजेश गाबा, योगाचार्य आहजा, रमेश मुंजाल, सुरेंद्र थरेजा, राजपाल आहजा, पं. भीम दत्त ज्योतिषाचार्य, सी. बी. मनचन्द्रा, रमेश कुमार, राज कुमार जुनेजा की उपस्थिति रही। इस प्रकार 750 लोगों द्वारा बारह बार पाठ किया गया जिसका कुल योग नौ हजार हुआ।

समाजसेवी बोधराज सीकरी द्वारा "श्री हनुमान चालीसा" के पाठ की मुहिम के तहत परम पूज्य श्री देवता जी महाराज, मंदिर श्री बालाजी, हनुमान जी महाराज, शिवाजी नगर की संचालिका के परम शिष्य मनोज गुप्ता एवं भारत गुप्ता के द्वारा बनाए गए नवग्रह के उपलक्ष्य में 6-5-2023 से 12-5-2023 तक" श्री भागवत पुराण "की कथा जो पूज्य महर्षि पुरुषोत्तम कृष्ण गोस्वामी, नन्दगांव जी के द्वारा भागवत पुराण में 7 दिन तक उपस्थित भक्तजनों द्वारा लगभग 5600 बार "श्री हनुमान चालीसा" के पाठ का पठन किया गया। जिसके लिए बोधराज सीकरी के द्वारा श्री देवता जी महाराज एवं भागवत पुराण के मर्मज्ञ पूज्य पुरुषोत्तम कृष्ण गोस्वामी का सहृदय आभार व्यक्त किया। अनुज मनोज गुप्ता एवं भारत गुप्ता को उनके नव गृह प्रवेश पर इस सुंदर कार्य के लिए बहुत-बहुत बधाई दी। हनुमान चालीसा पाठ की कुल संख्या उपरलिखित दो कार्यक्रम की 14600 हुई। और इस से पूर्व 158000 हो चुकी है और ऊपर कि संख्या मिला कर 172600 हो चुकी है।

बुधांद रपोर्ट

सम्पादक- संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक हुए 1 लाख 72 हजार 600 पाठ बच्चों को संस्कारवान बनाना मुहिम का है मुख्य उद्देश्य - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार ज्योति पार्क स्थित श्रीगीता आश्रम में भगवान देव साथं गीतानन्दर डा. स्वामी दिव्यानंद महाराज भिक्षु की अध्यक्षता में हरियाणा राज्य सी-एसआर ट्रस्ट के उपायक व पंजाबी विद्यार्थी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा शुरू की गई मुहिम के तहत श्री हनुमान चालीसा पाठ का आवेदन किया गया। श्री हनुमान चालीसा पाठ से महराज जी द्वारा ब्रह्मानुरुद्धों से खचाखच और आश्रम में ब्रह्मानुरुद्धों भक्तों को भक्ति ज्ञान से अवगत कराया। गीता के द्वारे अध्याय के 11वें श्लोक की व्याख्या कर विस्तार से बताया। स्वामी दिव्यानंद महाराज ने हनुमान जी की भव्य भक्ति और शक्ति का ज्ञान दिया। बोधराज सीकरी ने गोमायण और हनुमान चालीसा साथ दिया। गोमेंद्र गोसाई ने 10 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। स्वामी जी ने सुरों के साथ हनुमान चालीसा का 2 बार पाठ किया जिसमें आध्यात्मिक रस कहा कि उनका लक्ष्य युवा पीढ़ी का



कार्यक्रम में शामिल महाराज जी, बोधराज सीकरी व अन्य।

संस्कारवान बनाना है। हनुमान जी की पूजा अर्चना के बाद गोमेंद्र गोसाई द्वारा कर विस्तार से बताया। स्वामी दिव्यानंद महाराज ने हनुमान जी की भव्य भक्ति सीकरी द्वारा प्रकाशित व एवेंड ने उनका भीमदत, पैडिट स्मार्केट व एवेंड ने उनका साथ दिया। गोमेंद्र गोसाई ने 10 बार हनुमान चालीसा पाठ किया। स्वामी जी ने सुरों के साथ हनुमान चालीसा का 2 बार पाठ किया जिसमें आध्यात्मिक रस

की झलक दिखी। महाराज जी ने कहा कि ऐनेजमेंट के लिए यह एक गहन ग्रंथ है। स्वामी दिव्यानंद महाराज ने बोधराज सीकरी को माला पहनाकर व पट्टिका डल्स्कर अपना आशीर्वाद दिया और कहा कि बोधराज सीकरी ने समाज को एक नुस्खा करने व युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए यह मुहिम शुरू की है। इस मुहिम को लगातार सफलता मिलती जा रही है। उन्होंने कहा कि बोधराज सीकरी इसी प्रकार समाज, प्रदेश की सेवा करते हों। इस अवसर पर ओम प्रकाश कथूरिया, सुरेंद्र खुल्ला, उदयभान ग्रोवर, राम लाल ग्रोवर, गोमेंद्र गोसाई, भर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, कैंसर दास ग्रोवर, रवींद्र कुमार खुल्ला, विश्वेशी लाल डुडेजा, ज्योतिसना बजाज, रवना बजाज, हरीश कुमार, राजेश गावा, योगाचार्य किया।



POLAROID

Bodhrajk Sikri की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक हुए 172600 पाठ

Willie Kuch May 10, 2023 No Comments 6 2 4 minute read



Viral Sach : Bodhran Sikri - भी गीत अलग, लेकिन यार्क जैकि एक सिंह थी है एवं
सिंह के परमार्थ मुख्य तथा प्रधार्य मनुष्य है। स्वामी दिव्यानन्द जी बहारत चिन्ह -
उनकी लकड़ता में समझते ही बोहार लोकों द्वारा ऐए एवं संकल्प के रहने 'बी
द्वारा न जानी' के पाठ आ भवित्वन् चिन्ह रहा।

• एक सूखा वर्षारोपी के बाद यह तुम्हे पानी लेने की अवसरा दिलाई देता है। इसका उपयोग आपने जलाशय में भरने के लिए भी किया है।

यह लक्षण उपरान्त यदि १०० बोरे की दरी १०० रुपये तक पहुँचे तो उपरान्त उन्हें जीवन में अप्रतिक्रिया वाली खुशी आ जाएगी।

को प्राप्त नीतियों द्वारा ऐसा हमेशा उपलब्ध नहीं किया जाता कि इनका लकड़ा वाला अधिकारी अपने विभिन्न विभागों की सुविधा का लाभ ले सके। ऐसा वाला कि उपरांत वह एक विभिन्न विभागों की सुविधा का लाभ ले सके। ऐसा वाला कि उपरांत वह एक विभिन्न विभागों की सुविधा का लाभ ले सके। ऐसा वाला कि उपरांत वह एक विभिन्न विभागों की सुविधा का लाभ ले सके।



Bharat Sarathi

A Complete News Website

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक हुए 172600 पाठ



बलों की संलग्नतावान बनाना महिला का मुख्य उद्देश्य : बीमाराज सीकरी

बी शीता तापम्, ज्वरोलियकं, मुखपापम् में हनुमान भक्तों को बोहिलस लीकरी ने चक्रापा भक्तिस्त का स्वाद, तापापश्च और हनुमान नारीता की तुलसीतक विवेचना कर समझाया जब तक उन्होंना अपे

